शहडोल के वन संरक्षक के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

वनक्षेत्रपाल को गालियां देने का मामला : रेंज आफिसर एसोसिएशन, छिन्दवाड़ा ने कहा, कार्रवाई नहीं तो करेंगे आंदोलन

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शहडोल में घटित वन परिक्षेत्र अधिकारी के साथ घटना को लेकर रेंज ऑफिसर एसोसिएशन छिन्दवाड़ा ने पी.सी.सी.एफ. वन बल प्रमुख के नाम वनमण्डलाधिकारी अमित निकम एवं वनमण्डलाधिकारी एल.के. वासनिक को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि यदि एक सप्ताह के अंदर सी.सी.एफ. शहडोल के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि रामनरेश विश्वकर्मा वनक्षेत्रपाल वन परिक्षेत्र अधिकारी शहडोल को दी गई मां बहिन और जूता मारने जैसी गालियों से संबोधित करते हुए उनके बेटे को बददुआ भरे शब्दों से संबोधित करते हुए अजय पाण्डेय वन संरक्षक वन वृत शहडोल द्वारा अपमानित कर डिस्क्रिमिनेशन किया गया था।

इसकी शिकायत एम.पी. रेंजर्स एसोसिएशन के द्वारा और स्वयं रामनरेश विश्वकर्मा वनक्षेत्रपाल के द्वारा पी.सी.सी.एफ. से स्वयं चर्चा की गई थी, उसके बाद भी मुख्यालय स्तर से कोई संज्ञान नहीं लिए जाने के कारण अजय पाण्डेय वन संरक्षक शहडोल के हौंसले इतने बुलंद हो गए कि उनके द्वारा शहडोल वृत के सभी रेंजर्स को एक एक करके अपने आवास बुलाकर एसोसियेशन और रामनरेश विश्वकर्मा वनक्षेत्रपाल का साथ नहीं देने के लिए सभी को निलंबित करने, सी.आर. खराब करने और आरोप पत्र जारी करने की धमकी देते हुए डराया धमकाया गया।

इस कारण वन वृत शहडोल के सभी रेंजर्स में भय व्याप्त हो गया है और साथ ही अजय पाण्डेय वन संरक्षक शहडोल के द्वारा रामनरेश विश्वकर्मा वनक्षेत्रपाल को निलंबित एवं चार्जशीट करने की योजना तैयार कर ली गई हैं जिनकी तानाशाही का हम सभी विरोध कर दोषी वन संरक्षक के विरुद्ध उचित कार्यवाही की अपेक्षा करते हैं, साथ ही ऐसे संवेदनहीन वन सरंक्षक को तत्काल प्रभाव से वन सरंक्षक के पद के प्रभार से प्रथक करने की भी अपेक्षा करते हैं। यदि ज्ञापन दिनांक से एक सप्ताह के अन्दर पद प्रथीकरण की कार्यवाही नहीं की गई तो सामुहिक रूप से आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। जिसके लिए संपूर्ण जबाबदारी विभाग प्रमुख होने के नाते होने वाली असुविधा की जवाबदारी आपकी होगी।

उक्त ज्ञापन सौंपने का दूसरा कारण यह भी है कि दिनों दिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रेंजर्स से बदले की भावना के साथ इस प्रकार की और निलंबन एवं पद से प्रथक करने जैसी कार्यवाही बढ़ती ही जा रही हैं जिससे रेंजर्स कैडर आहत हैं और सभी में आक्रोश की भावना व्याप्त हो चुकी है, क्योंकि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रेंजर्स डर को हमेशा की तरह रिफॉर्म्स की जगह डिफेर्म किया जाता रहा है, कभी भी इस कैडर के लिए वेल्फेयर हेतु उचित कदम नहीं उठाए गए हैं।

अत: वन मंडल अधिकारी से विभाग प्रमुख को ज्ञापन पत्र प्रेषण करते हुए उचित कार्यवाही के लिए अनुरोध किया जाता है ताकि भविष्य में इसकी पुर्नवृत्ति न हो। ज्ञापन सौपते समय रेंज आफिसर्स पंकज शर्मा, कीर्तिबाला गुप्ता, सहित अनेक रेंज आफिसर्स उपस्थित थे।

नपानि में हिमांशु अतुलकर कार्यपालन यंत्री और आरएस बाथम उपायुक्त पदस्थ

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। नगरीय प्रशासन द्वारा भारी पैमाने पर स्थानांतरण आदेश जारी किए गए है जिसमें छिन्दवाड़ा जिले में गाडरवाड़ा से स्थानांतरित होकर आ रहे हिमांशु अतुलकर प्रभारी कार्यपालन यंत्री होंगे। जबकि अमरवाड़ा में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर.एस. बाथम उपायुक्त नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा होंगे।

इस तरह छिन्दवाड़ा में अब नगर निगम में आयुक्त सी.पी. राय, उपायुक्तद्वय कमलेश निरगुड़कर फायनेन्स, आर.एस. बाथम उपायुक्त सामान्य और मीना कोरी सहायक आयुक्त नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा मिलाकर ये सभी पद जो रिक्त थे पूरे हो गए है। किन्तु अभी भी कार्यपालन यंत्री के तीन पद रिक्त बताऐं जा रहे है। इसके पूर्व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के पदस्थ रहे प्रतिनियुक्ति पर कार्यपालन यंत्री ईश्वरसिंह चंदेली को अचानक ही 15 दिन पूर्व प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल विभाग में वापिस किया गया है। हालाकि उनका स्थानांतरण शासन स्तर से पुन: छिन्दवाड़ा होने की पूरी संभावना बतायी जा रही है।

वहीं सिवनी में पदस्थ प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिशा डेहरिया को शासन ने मूल पद में वापिस करते हुए सहायक राजस्व उप निरीक्षक के पद पर स्थानांतरित किया है। इसके पूर्व दिशा डेहरिया हर्रई, वारासिवनी, चांद जैसे क्षेत्रों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर कार्य कर चुकी है तथा राजस्व सहायक उप निरीक्षक के पद पर डूडा कार्यालय में भी लम्बे समय तक पदस्थ रही है। इस तरह नगरीय प्रशासन विभाग ने सैकड़ों की संख्या में स्थानांतरण आदेश जारी किए गए है जिसमें अजय ठाकरे दमुआ के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी होंगे।

सार समाचार

अज्ञात कारणों से महिला ने जहर खाकर की आत्महत्या

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। देहात थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक 25 वर्षीय विवाहिता ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाए जाने पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान माया डेहरिया के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के समय महिला घर पर अकेली थी। उसके पति पवन डेहरिया पिछले 20 दिनों से नागपुर में काम कर रहे थे। महिला को उल्टियां होने पर मकान मालिक ने उसके देवर गगन डेहरिया को सूचित किया, जिसके बाद उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

माया का मायका मानकदेही खुर्द (थाना उमरेठ क्षेत्र) और ससुराल गोदरा (थाना चांद) में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या है या कोई अन्य कारण है। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। महिला का शव मंगलवार को जिला अस्पताल की मॉर्चुरी से निकालकर पोस्टमॉर्टम किया गया जिससे मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।

सड़क हादसे में घायल युवक रिंकू वर्मा की इलाज के दौरान हुई मौत

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिले में लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, चौरई-छिंदवाड़ा रोड पर शहर के बीच आपस मे दो मोटर साइकिल की भिडंत हो गई। सड़क हादसे में युवक अंशुल बंदेवार की मौत हो गई, मोटर साईकिल डिवाइडर से टकरा गई थी, जिसके बाद प्राथमिक इलाज के बाद छिंदवाड़ा रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं बीते दिनों दो मोटर साइकिल की भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिसमें से घायल रिंकू वर्मा की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। चौरई थाना प्रभारी ने बताया कि मोटर साइकल जप्त कर मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि बीते रविवार को मरकाहंडी के पास दो मोटर साइकिल टकराने से 3 लोगों को चोट लगी थी, जिसमे मुआरी निवासी रिंकू वर्मा, देववंद्र धुर्वे, देवेश दुर्वे का प्राथमिक उपचार के बाद छिंदवाड़ा रेफर किया गया था ।

सोमाढाना और गोसाईढाना में महुआलाहन व अवैध शराब पकड़ी

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कल 17 जून 2025 को कलेक्टर छिंदवाड़ा शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में एवं ज़िला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में ज़िले के आबकारी अमलें द्वारा सुबह के वक्त वृत्त प्रभारी आकाश मेश्राम के नेतृत्व में सर्वप्रथम ग्राम सोमाढाना में नाले एवं जंगल के किनारे एवं पानी के अन्दर प्लास्टिक की पन्नियों और प्लास्टिक की कैन में भरकर छुपाकर रखे गए और झाड़ियों के भीतर से भी महुआ लाहन बरामद कर खोलकर विधिवत नष्ट किया गया। साथ ही मौके से बरामद महुआ निर्मित हाथ भट्टी मदिरा कब्जे आबकारी ली गई।

इसके बाद इसी ग्राम से लगे गोसाईं ढाना में जंगल के अंदर प्लास्टिक ड्रमों में रखे महुआ लाहन को विधिवत नष्ट किया गया। अंत में ग्राम कपरवाड़ी में नाले के किनारे चालू मिली भट्टियों को तोड़कर पन्नियों में भरा महुआ लाहन विधिवत नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही में कुल 10 प्रकरण दर्ज कर 8200 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया तथा 60 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा कब्जे आबकारी ली गई। उपरोक्त कार्यवाही में सहायक ज़िला आबकारी अधिकारी कैलाशचंद्र चौहान, आबकारी उपनिरीक्षक अर्चना घोरमारे, आकाश मेश्राम, जीतसिंह धुर्वे सहित आबकारी अमला उपस्थित रहा।

सबंल योजना के 49 हितग्राहियों के खाते में आई राशि

परासिया, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से जनपद पंचायत परासिया के संबल योजना के 49 हितग्राही को एक करोड़ 8 लाख रुपए खाते में डालें गये, जिसमें 44 हितग्राही सामान्य मृत्यु के, जिसमें प्रत्येक को 2 लाख तथा दुर्घटना से मृत्यु के 5 हितग्राही, जिसमें प्रत्येक के खाते में 4 लाख रुपए डाले गए। इसके पूर्व भी संबंल योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत परासिया के अंतर्गत राशि का अंतरण किया गया था।

इसी प्रकार जनपद पंचायत क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम समय समय पर होते रहते है जिसमें लाड़ली लक्ष्मी योजना भी शामिल है । इसके अलावा किसान सम्मान निधि के कार्यक्रम भी पूर्व में किए गए है जहां किसानों के खाते में सीधे राशि जमा की गई थी।

आज के कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष जमील खान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोनिका झारिया, संबल योजना के प्रभारी रविंद्र खोबरागड़े, पंचायत इंस्पेक्टर दीपा पाटिल उपस्थित थीं।

जनसुनवाई में सुनीं 105 आवेदकों की समस्याएं, मौके पर किया निराकरण

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कल 17 जून 2025, दिन मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 105 आवेदकों की समस्यायें सुनी।

इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, पीएम जनमन आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, पात्रता पर्ची जारी करने, संबल योजना का लाभ दिलाने, भू-अधिकार पट्टा दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये।

जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। कलेक्टर ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी चिन्हांकित किया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में कल ग्राम खिरसाडोह के किशन परते ने वृध्दा पेंशन, गरीबी रेखा का कार्ड बनाने व इलाज के लिये आर्थिक सहायता दिलाने, ग्राम बोदलकछार की सरोज बाई व ग्राम जमुनिया की नवीता ने जमीन का पट्टा दिलाने, बड़कुही वार्ड नंबर- 04 की गीता बरूआ ने एन.पी.एस. की राशि दिलाने, बड़कुही के पुरानी बस्ती के वार्ड नंबर-13 की सुनीता ने भूमि का सीमांकन करने, ग्राम पंचायत सालई छिन्दी के ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सीसी नाली निर्माण करने, ग्राम धमनिया के विनोद ग्वालवंशी ने ग्राम में नल-जल योजना एवं रबी की फसल के लिये सिंचाई की समस्या दूर कराने, ग्राम लोनिया के योगेश्वर निम्बालकर ने गरीबी रेखा सूची में नाम दर्ज करने, ग्राम गुमतरा के संतोष ने आवासीय भूमि का पट्टा दिलाने एवं छिंदवाड़ा नगर के गुलाबरा के निवासी सत्यम कराड़े ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, नगर के वार्ड नंबर-17 के मुकेश गुप्ता ने नाली पर किये अतिक्रमण हटवाने व नाली साफ कराने, छिंदवाड़ा नगर के वार्ड क्रमांक- 03 खजरी की उषा सूर्यवंशी ने जमीन का सीमांकन कराने व कब्जा दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

इस दौरान कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अग्रिम कुमार, प्रभारी एडीएम अंकिता त्रिपाठी व संयुक्त कलेक्टर ज्योति ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुये।

नाटक से सिखाई रिजक की मर्यादा, नम हुई दर्शकों की आंखें

नाट्य गंगा की अभिनय कार्यशाला का समापन

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जिले की सबसे पुरानी सक्रिय नाट्य संस्था एवं एकमात्र रंगमंडल नाट्यगंगा के द्वारा नए कलाकारों को रंगकर्म से जोड़ने के लिए 1 मई से 45 दिवसीय फिल्म एवं थियेटर एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसका समापन विगत दिवस एक भव्य नाटक के मंचन के साथ श्रेयांस टॉकीज में हुआ।

यह नाटक लोक कथाकार विजय दानदेथा की कहानी पर आधारित था जिसका बहुत ही प्रभावी नाट्य रूपांतरण एवं निर्देशन संस्था के गुरू एवं रंगमंडल के गुरू सचिन वर्मा के द्वारा किया। जिन्होंने नाटक के सभी दृष्यों को इतनी खूबसूरती से लिखा और मंच पर रचा कि दर्शक आश्चर्य चकित हो गए। नाटक को अमित सोनी ने अपने गीत और संगीत से सजाया।

इन गीतों से नाटक का मंतव्य दर्षकों तक आसानी से पहुँच पाया। नाटक का सहनिर्देशन विनोद प्रसाद ग्यास, तरूण जलोटा, अर्शिल चिचाम, हर्ष डेहरिया, पूनम बचले, गुंजन मेटेकर और दानिश अली ने किया। इस नाटक में नए एवं पुराने 50 से अधिक कलाकारों ने मंच पर एवं मंच परे कार्य किया। नाटक की कहानी एक सुप्रसिद्ध भांड शंकर भांड के इर्द गिर्द चलती है। जो तरह तरह के स्वांग करता है और अपने स्वांग के माध्यम से वह दर्शकों को रिजक यानि रोजी रोटी की मर्यादा सिखा जाता है।

हास्य व्यंग्य से भरपूर यह नाटक अंत में इतना संवेदनशील मोड़ ले लेता है कि दर्शकों की आँखें नम हो गईं। नाट्य गंगा की परंपरा के अनुसार नाटक नियत समय पर शुरू हुआ एवं हर बार की तरह यह प्रदर्शन भी हाउस फुल रहा।

इस कार्यशाला एवं नाट्य मंचन को सफल बनाने में संस्था के कलाकारों अमजद खान, नीता वर्मा, स्वाति चौरसिया, अंकित खंडूजा, पंकज सोनी, वैशाली मटकर, नीरज सैनी, रूपेश डेहरिया, रोहित रूसिया, अर्पणा पाटकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन्होंने किया शानदार अभिनय

इस नाटक में श्रीधर शर्मा शंकर भांड, करूणा गांजरे पारबती, अदितांश चौरसिया और अबीर वर्मा शंकर के बच्चे, विनोद प्रसाद ग्यास और गीत श्रीवर्मा, शंकर के माता-पिता, गुंजन मेटेकर राजा, प्रियांशी बत्रा रानी, नभ बचले रानी का भाई, अवनि सोनी सहेली, विशाल धुर्वे मंत्री, खुशबू बंदेवार दीवान, अर्शिल चिचाम विदूषक, जयंत जम्होरे और अंशुल विश्वकर्मा दरबारी, शिवांष श्रीवास्तव हज्जाम, हर्ष डेहरिया डायन, चेतन डेहरिया सेठ, किरण मोर सेठ की पत्नि, शांभवी गुप्ता बच्ची, अंशुल यादव लठैत, शिवम उइके ढिंढोरची, पूनम बचले, रश्मि पाठक, गरिमा बत्रा, शिवि भारद्वाज, स्वस्ति द्विवेदी ने ग्रामीण महिला, हेमंत नांदेकर, कुलदीप विश्वकर्मा, धर्मेंद्र तेकाम, निखिल डेहरिया, पुनीत डेहरिया, अरिंदम मालवी, ओम तिवारी ने ग्रामीण पुरूष और वेद श्रीवास्तव, आरोहीर रत्नाकर, अनादि सोनी, चित्राश ओक्टे, आरोही वाड़बुदे, श्रीरज कोल्हे, श्रीम पटवा ने शंकरभांड के शिष्यों की अविस्मरणीय भूमिका निभाई।

फिर खली ऑडिटोरियम की कमी

शहर में एक सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम के नहीं होने का खामियाजा कल नाट्य मंचन के दौरान कलाकारों के साथ-साथ दर्शकों को भी भुगतना पड़ा। ऑडिटोरियम के अभाव में शादी के लॉन में मंचन किया गया जहाँ गर्मी और उमस से दर्शक और कलाकार परेशान होते रहे। इसके साथ ही नाट्य मंचन के बीच में तकनीकि समस्या आने के कारण दस मिनट के लिए मंचन रोकना पड़ा। लेकिन इन सब समस्याओं के बाद भी दर्शकों के धैर्य, समझदारी और सहयोगात्मक रवैये से कलाकारों ने नाटक का शानदार मंचन किया।

जिले में 45.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 45.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 40.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

जिले में 17 जून 2025 को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 2.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 17 जून 2025 को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील मोहखड़ में 10.2, परासिया में 10.1, चांद में 01 और उमरेठ में 3.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 53.8, मोहखेड़ में 50.7, तामिया में 56, अमरवाड़ा में 62.4, चौरई में 14, हर्रई में 38.4, बिछुआ में 15.2, परासिया में 45.5, जुन्नारदेव में 33, चांद में 49 और उमरेठ में 86 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

जेल में आदिवासी कैदी की मौत, विरोध में धरना, जांच की मांग

पांढुर्णा, देशबन्धु। जिला जेल छिंदवाड़ा में एक आदिवासी विचाराधीन बंदी भाऊराव पिता भैया उइके उम्र 45 वर्ष की मौत ने प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यशैली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाऊराव की मौत के बाद आदिवासी समाज, परिजन और कांग्रेस नेताओं में जबरदस्त आक्रोश देखा गया। तिगांव निवासी इस बंदी को 4 जून को पांढुर्णा पुलिस ने महुआ कच्ची शराब रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 16 जून को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसे लेकर प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच भारी अंतर सामने आ रहा है।

चोटों के निशान और इलाज का सवाल

मृतक के शरीर पर पुराने चोटों के गंभीर निशान मिले हैं, जो यह संकेत देते हैं कि गिरफ्तारी के बाद उसके साथ मारपीट की गई थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसे झूठे केस में फंसाकर पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बेहरमी से पीटा। उन्हें इस बात का भी मलाल है कि बंदी की तबीयत लगातार खराब होने के बावजूद उसे समय रहते उचित इलाज नहीं दिया गया।

बंदी को पकड़ने के बाद उसका मेडिकल परीक्षण हुआ था, लेकिन सवाल यह है कि अगर उसकी हालत खराब थी तो उसे जेल भेजने की बजाय अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया।

विरोध में धरना, प्रदर्शन और तोड़फोड़

मृतक की मौत के बाद सोमवार को परिजनों ने पांढुर्णा थाने में शव रखकर प्रदर्शन किया। इसके बाद तिगांव में स्थित एक शराब दुकान के सामने भारी संख्या में ग्रामीणों और आदिवासियों ने धरना दिया और गुस्से में आकर दुकान में तोड़फोड़ कर दी। इस घटना की पुलिस में शिकायत भी दर्ज की गई है।

कल मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक निलेश उईके, पूर्व विधायक जतन उईके, जनपद अध्यक्ष लता तुमड़ाम, पांढुर्णा जिला कांग्रेस अध्यक्ष सहित कांग्रेस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग धरने पर बैठ गए। उन्होंने जेल प्रबंधन, आबकारी और पुलिस पर आदिवासियों के प्रति क्रूरता और भेदभाव का आरोप लगाया। इसी के साथ भाऊराव उइके की मौत की न्यायिक जाँच एवं दोषियों पर उचित कार्यवाही के लिए जिला पुलिस अधीक्षक से कांग्रेसियों ने मांग की। जिस के बाद मृतक भाऊराव उइके के

परिवारजनों एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर उनके दु:ख की घड़ी में साथ रहने की बात कर विधायक निलेश उईके, पूर्व विधायक जतन उईके, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश झलके, जनपद अध्यक्ष लता तुमड़ाम ने भेट की।

इस मामले ने एक बड़े सामाजिक मुद्दे को जन्म दिया है कृ क्या आदिवासी समाज को शराब जैसे मामलों में जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि आबकारी विभाग और पुलिस मिलकर निर्दोष आदिवासियों को पकड़कर झूठे केस बना रहे हैं और फिर उनके साथ मारपीट की जाती है।

भाऊराव उइके के साथ जो हुआ, वह इसी तरह की प्रताड़ना का परिणाम हो सकता है। यह सवाल प्रशासन के लिए गम्भीर चिंता का विषय बन गया है कि क्या कानून व्यवस्था के नाम पर आदिवासियों को दबाया जा रहा है ?

प्रशासन का पक्ष और जांच की स्थिति

मृतक की मौत को लेकर जेल प्रबंधन की ओर से हार्ट अटैक की बात कही जा रही है, लेकिन अब यह दावा सवालों के घेरे में है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है और मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। हालांकि अभी तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। आदिवासी संगठनों और कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा।

न्याय की मांग और आगे की राह

मृतक के परिजन, आदिवासी समाज और स्थानीय जनप्रतिनिधि अब इस मामले की सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक बंदी की मौत नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और अधिकारों पर हमला है। यह स्पष्ट है कि इस मौत के पीछे कुछ छिपाया जा रहा है। यदि समय रहते निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला शासन के लिए भी बड़ी परेशानी बन सकता है।

आदिवासियों के साथ सुनियोजित अत्याचार है। प्रशासन को जवाब देना होगा। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं।

निलेश उईके,
कांग्रेस विधायक पांढुर्णा

एक बार फिर मजबूती के साथ खड़ी होगी कांग्रेस

नरसिंहपुर, देशबन्धु। देश के कई राज्यों के साथ मध्य प्रदेश में भी संगठन सृजन अभियान कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संगठन को निचले स्तर तक ले जाने और मजबूत करने के लिए कांग्रेस द्वारा कई महत्वपूर्ण और कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जिससे ब्लॉक स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा सके।

उक्त बात मंगलवार को होटल अमर गार्डन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद ने कही। डॉ. प्रसाद ने बताया कि इस अभियान के तहत पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के अलावा गैर राजनीतिक लोगों से भी चर्चा कर सुझाव लिए जाएंगे और किस प्रकार से ब्लॉक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष को और अधिक शक्ति दी जा सके इस प्रकार के निर्णय लिए जाएंगे।

बिहार से आए राज्यसभा सदस्य डॉ अखिलेश प्रसाद ने बताया कि वे नरसिंहपुर जिले के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए हैं और 3 दिन यहीं रहेंगे। ब्लॉक विधानसभा स्तर और जिला स्तर के पदाधिकारी से सीधे चर्चा की जाएगी।

सार समाचार

पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस सेल के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक शैक्षणिक इंडस्ट्रियल विजिट के तहत हिमालय फूड्स एंड डेरिवेटिव्स प्राइवेट लिमिटेड ग्राम सलैया का भ्रमण करवाया गया। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष भारत घई ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया और म.प्र. शासन की रोजगारोन्मुखी पहल का लाभ लेने की अपील की।

प्राचार्य डॉ. वाय.के. शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शैलेश बांगड़े, करियर गाइडेंस सेल के सदस्य प्रो. महेंद्र साहू, प्रो. शिवम डोल्हे सहित अनुज दुबे एवम् 60 विद्यार्थी एक्सपोजर विजिट का हिस्सा बने। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति सदस्य अरूण गदरे, श्रीमती श्रद्धा जैन, तरुण सोनी और करियर गाइडेंस सेल के संभागीय नोडल अधिकारी डॉ. पी.एन. सनेसर उपस्थित रहे। जानकारी देते हुए डॉ. पी.एन. सनेसर ने कहा कि इस विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रियाओं, कार्यशैली और तकनीकी पहलुओं की वास्तविक जानकारी दिलाना था। हिमालय फूड्स एंड डेरिवेटिव्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकारियों ने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया एवं उन्हें प्रोडक्शन क्वालिटी, कंट्रोल रिसर्च एवं निर्माण प्रक्रिया जैसी विभिन्न यूनिट्स का अवलोकन कराया।

मैक्स हॉस्पिटल, नागपुर में रोबोटिक कैंसर सर्जरी से मरीजों को मिल रही नई उम्मीद

डॉ. अभिनव देशपांडे एडवांस रोबोटिक सर्जरी के ज़रिए क्षेत्र के कैंसर मरीजों के लिए बन रहे है आशा की किरण

छिंदवाड़ा,देशबन्धु। 4 जून कैंसर के इलाज के क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति करते हुए मैक्स हॉस्पिटल, नागपुर ने रोबोटिक ऑन्को सर्जरी की शुरुआत की है। यह अत्याधुनिक तकनीक कैंसर के इलाज के तरीके को पूरी तरह से बदल रही है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक ऑन्को सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. अभिनव देशपांडे की विशेषज्ञ देखरेख में यह तकनीक मरीजों को अधिक सुरक्षित, कम दर्दनाक और तेज़ रिकवरी का मार्ग प्रदान कर रही है।

डॉ. अभिनव देशपांडे अपने अनुभव और संवेदनशील देखभाल के ज़रिए क्षेत्र के कैंसर मरीजों के लिए आशा की किरण बनते जा रहे हैं। उन्होंने बताया, रोबोटिक ऑन्को सर्जरी एक अत्यंत सटीक तकनीक है, जहां हर मूवमेंट सर्जन द्वारा नियंत्रित किया जाता है, न कि रोबोट द्वारा। इससे हम उन अंगों में भी सर्जरी कर सकते हैं, जो पहले बहुत ही संवेदनशील या जटिल माने जाते थे। यह तकनीक खास तौर पर फेफड़े, बड़ी आंत, किडनी, गर्भाशय, सर्विक्स, प्रोस्टेट और सिर-गर्दन जैसे जटिल स्थानों पर मौजूद कैंसर के लिए अत्यंत प्रभावी है।

मैक्स हॉस्पिटल, नागपुर के अनुसार, इस तकनीक के कई लाभ हैं। इसमें छोटे चीरे लगाए जाते हैं, जिससे सर्जरी के बाद दर्द काफी कम होता है। मरीजों की रिकवरी तेज़ होती है और वे जल्दी सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। रोबोटिक सर्जरी की सटीकता के कारण ऑपरेशन के दौरान खून का बहाव भी कम होता है। छोटे घावों की वजह से संक्रमण का खतरा भी कम रहता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह तकनीक ट्यूमर को बेहतर तरीके से हटाने में मदद करती है और आसपास के स्वस्थ टिशू को सुरक्षित रखती है, जिससे कैंसर कंट्रोल के बेहतर परिणाम मिलते हैं।

विद्यार्थी आधुनिक संचार साधनों का उपयोग शैक्षणिक ज्ञान बढ़ाने में करें : सांसद

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। संचार क्रांति के इस युग में विद्यार्थी आधुनिक संचार साधनों का उपयोग अपने शैक्षणिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए करे, नैतिकता और राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए महापुरूषों और प्रसिद्ध कवियों का अनुसरण करें। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिन्दवाड़ा में प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कही।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री साहू ने कहा कि हिन्दी की प्रासंगिकता आज भी कम नहीं है। केन्द्र सरकार उच्च एवं व्यवसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों को हिन्दी में लागू कर रही है। उन्होंने विद्यालय में मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कक्षा 5वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया।

विद्या निकेतन विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान सांसद श्री साहू ने विद्यार्थियों का सम्मान किया, जिसमें कक्षा 5 वीं से कामना राहंगडाले, गोरांगी सोनी, तनुश्री मालवी, कक्षा 8वीं से मिताली घोरसे, प्रिंसी जाधव, लक्ष्य साहू, कक्षा 10वीं से प्रणव गायधनी, श्याम वर्मा, आदित्य सदाफ्ल एवं कक्षा 12वीं से सैय्यद माविया अली, सपना चंद्रवंशी, तान्या माहोरे सहित लगभग 90 विद्यार्थी शामिल थे।

विद्या निकेतन विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता जगेन्द्र अल्डक, मनोज सक्सेना, चंद्रभान देवरे, बंटी सक्सेना, मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर, हिन्दी प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रणय नामदेव, मंत्री श्याम सुंदर चांडक, उपमंत्री प्रफुल्ल बाकलीवाल, शिक्षा सचिव नवनीत व्यास, रंजीत सिंह परिहार, डॉ. दिलीप खरे, अरविंद राय, शैलेन्द्र तिवारी, दिलीप जैन आदि थे।

माचागोरा जल प्रदाय योजना का केंद्रीय टीम ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता की सराहना

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल जिले छिंदवाड़ा में जल जीवन मिशन के तहत क्रियान्वित की जा रही माचागोरा समूह नल जल प्रदाय योजना का कल 17 जून को भारत सरकार की केंद्रीय टीम द्वारा भौतिक निरीक्षण किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपसचिव राघव गुप्ता एवं तकनीकी अधिकारी सुमंतो चक्रवर्ती उपस्थित रहे।

यह दौरा छिंदवाड़ा जिले के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, क्योंकि केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने योजना के तकनीकी ढांचे, प्रगति, गुणवत्ता एवं लागत प्रबंधन का गहन अवलोकन किया और इसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय मॉडल करार दिया।

योजना की पृष्ठभूमि

छिंदवाड़ा जिले में जल निगम द्वारा क्रियान्वित माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना का उद्देश्य जिले के 722 गांवों को दीर्घकालिक एवं शुद्ध पेयजल सुविधा प्रदान करना है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की स्वीकृत लागत 848.29 करोड़ है और इसका कार्य एल सी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राय. लिमि. के द्वारा किया जा रहा है। योजना का कार्य वर्तमान में तीव्र गति से प्रगति पर है और अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

केंद्रीय टीम ने किया आकलन

केंद्रीय टीम ने योजना के विभिन्न स्थलों का विस्तृत निरीक्षण किया, जिनमें शामिल थे-इंटेक वेल, रॉ वॉटर पंपिंग सिस्टम एवं जल शोधन संयंत्र तथा योजना में सम्मिलित ग्राम हथनी। अधिकारियों ने योजना की इंजीनियरिंग संरचना, कार्य प्रगति, गुणवत्ता नियंत्रण एवं कार्यान्वयन रणनीति को बारीकी से परखा। उन्होंने जल निगम द्वारा अपनाए गए प्राविधिक एवं प्रबंधन दृष्टिकोण की विशेष प्रशंसा की।

गुणवत्ता एवं लागत प्रबंधन की सराहना

निरीक्षण के दौरान राघव गुप्ता ने कहा- जल निगम द्वारा कम समय में की गई प्रगति अत्यंत सराहनीय है। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि विभाग की तकनीकी टीम द्वारा सुनियोजित इंजीनियरिंग दृष्टिकोण और आर्थिक डिजाइन को अपनाकर कार्य किया गया है, जिससे सरकार

राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय मॉडल करार दिया

को लगभग 100 करोड़ की लागत की बचत हुई है। यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे उचित तकनीकी रणनीति और प्रबंधन से गुणवत्ता के साथ लागत नियंत्रण भी संभव है।

अधिकारियों की उपस्थिति

निरीक्षण के दौरान जल निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें सम्मिलित हैं महाप्रबंधक अविनाश दिवाकर, उप महाप्रबंधक बसंत कुमार बेलवंशी, प्रबंधक विजय बरेवार, उप प्रबंधक यश डोडाणी, थर्ड पार्टी निरीक्षण टीम, गुणवत्ता नियंत्रण एवं सुपरविजन टीम, जन स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं एम.एफ. एन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रायवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

निष्कर्ष

इस केंद्रीय निरीक्षण ने यह स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के तहत छिंदवाड़ा जिले में जल निगम द्वारा जो कार्य किया जा रहा है, वह गुणवत्ता, पारदर्शिता और दक्षता का बेहतरीन उदाहरण है। योजना के कार्यान्वयन में जो तकनीकी कुशलता और लागत दक्षता दिखाई दी है, वह अन्य जिलों और राज्यों के लिए भी प्रेरणास्पद मॉडल साबित हो सकती है।छिंदवाड़ा के ग्रामीण अंचलों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में यह योजना जनस्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और समग्र ग्रामीण विकास का सशक्त आधार बन रही है।

भारिया जनजाति की पहली छात्रा शांति, जिसने नीट में पाई सफलता

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिले के सुदूर आदिवासी अंचल से निकलकर छिंदवाड़ा जिले की एक बेटी ने इतिहास रच दिया है। सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए कुमारी शांति पचलिया ने यह साबित कर दिया कि सपने सिर्फ देखे नहीं, पूरे भी किए जा सकते हैं.अगर इरादा मजबूत हो।

विशेष पिछड़ी जनजाति भारिया से ताल्लुक रखने वाली छात्रा कु. शांति, छिंदवाड़ा जिले की पहली छात्रा बन गई हैं जिसने नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार, गाँव और समुदाय को गौरवान्वित किया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों को एक नई प्रेरणा भी दी है।

शांति का जन्म 23 अप्रैल 2007 को विकासखण्ड हर्रई के ग्राम बालूसार में हुआ। उनके पिता लिट्टी पचलिया कृषक हैं और माता लता पचलिया गृहिणी हैं। शांति ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई शासकीय विद्यालयों से की और वर्तमान में आदिवासी उत्कृष्ट छात्रावास हर्रई में निवास करती हैं। पढ़ाई के लिए उन्होंने रोजाना 4 से 5 घंटे तक कड़ी मेहनत की और नीट 2025 परीक्षा में सफल हुईं।

आर्थिक और सामाजिक रूप से सीमित संसाधनों के बावजूद शांति का सपना था डॉक्टर बनकर अपने गाँव की सेवा करना। उनका कहना है कि मैं अपने गाँव को आगे

बढ़ाना चाहती हूँ और सबकी मदद करना चाहती हूँ।

जिला प्रशासन के नवाचार के चलते यह संभव हुआ. कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह की दूरदृष्टि और प्रयासों ने जिले में एक शैक्षणिक क्रांति का बीजारोपण किया है। जुलाई 2024 से उन्होंने सभी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में नीट और जेईई की तैयारी के लिए एक अतिरिक्त पीरियड की व्यवस्था शुरू करवाई। इसके साथ ही इंदौर की नामचीन कोचिंग संस्था एलेन की मदद से कार्यशालाएँ, नि:शुल्क नोट्स, हिंदी-अंग्रेजी में अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराई गई।

शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया, छात्रों की कठिनाइयों को समय-समय पर दूर किया गया। नीट 2025 परीक्षा में जिले के लगभग 1400 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 80 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की, इनमें से कई आदिवासी विकासखंडों के छात्र-छात्राएँ भी हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने नीट 2025 में चयनित शांति सहित सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों में असीम क्षमता है, उन्हें सिर्फ दिशा, संसाधन और निरंतर प्रेरणा की ज़रूरत होती है। शांति जैसी बेटियाँ हमारे प्रयासों को सार्थक बना रही हैं। शांति की इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके समुदाय, गाँव और जिले को गौरवान्वित किया है।